अपने उत्तर में यह कहा है कि 333 पंजीकृत किए गए और इसमें से 5 को बंद करने की अनुशंसा की गई। मैं यह जानना चाहता था कि कितने बंद हुए, क्योंकि 333 मिल पंजीकृत किए गए थे, उनमें से 33 को बंद करने की अनुशंसा हुई। वे बंद हुए या नहीं हुए, अगर हुए तो कितने मजदूर छंटनी किए गए? अगर छंटनी किए गए तो क्या उनके पुनर्वास के लिए व्यवस्था की गई? इन बिंदुओं का कोई इसमें उत्तर नहीं है। इसलिए हम आपका संरक्षण चाहेंगे कि जो स्पष्ट उत्तर हम जानना चाहते हैं उसे वह दें कि जितने मिल हैं उनमें से कितने बंद हो चुके हैं, क्योंकि 1767 मिल हैं उनमें से 333 को बी०आई०एफ०आर० के पास भेजा गया उनमें से कितने बंद किए गए? अगर बंद किए गए तो कितने मजदूर बेरोज़गार हुए?

श्री काशीराम राणा: सर, जो भी उत्तर दिया गया है वह बिल्कुल सही है, क्योंकि जो केसेज बी०आई० एफ०आर० को रेफर होते हैं वे कंपनी के होते हैं, मिलवाइज़ नहीं होते हैं। बी०आई०एफ०आर० के अंतर्गत जो 38 बताये गये हैं उसमें अगर मिल की संख्या जानना चाहते हैं तो वह टोटल 52 मिल्स उसमें शामिल हैं। 52 मिल्स में से 32 मिल्स अभी बिल्कुल क्लोज़ हैं और बी०आई०एफ०आर० को जो रेफर करते हैं बी०आई०एफ०आर० वह अल्टीमेट्ली रेकमैंड करती है टू द कंसर्ड कोर्ट और कंसर्ड कोर्ट अल्टीमेट्ली जो डिसीज़न लेती है वह लेती है। 32 मिल्स में टोटल जो अभी जॉबलैस बने हैं उनकी संख्या 42,687 हैं। जहां तक 38 का सवाल है हमने अपने जवाब में लिखा है कि इससे जो जॉबलैस हैं वे 62,286 हैं। सभापति जी, इसके साथ-साथ एक और भी हमारे माननीय सदस्य जानना चाहते हैं, वह बात सही है कि कुल मिला कर देश में जो 1767 मिल्स हैं इनमें से 223 अभी क्लोज़ हैं और उसके अलग-अलग कारण हैं। जैसे फाइनेंशियल डिफिकलटीज़ हैं, लेबर प्राबलम्ज़ हैं और लॉक आउट्स आदि कारण हैं। जो क्लोज़ मिल्स हैं इनमें प्राइवेट मिल्स जो बंद हैं इसको टी०डब्ल्यू०आर०एफ० उसको हम देते हैं एकॉर्डिंग टू सिक। तो इसलिए जो भी जाबलैस हुए हैं इसके लिए ऐसा प्रावधान है और जहां तक टी०डब्ल्यू०आर०एफ० का सवाल है हमारे पास अभी 115 एप्लीकेशंस ही पैंडिंग हैं। अभी तक जो भी एप्लीकेशंस थीं उनके हमने पर्मेंट कर दिए हैं। करीब 4 करोड़ समथिंग हमने टी०डब्ल्यू०आर०एफ० में दिए हैं और भी हमारे इस साल के जो पैसे हैं 16 करोड़ उसमें से 4 करोड़ दिए हैं।

श्री जगन्नाथ मिश्र: सभापति महोदय, इन्होंने जो मिल्स बंद होने की सूचना दी इनमें 2 लाख से अधिक मजदूर सम्बद्ध हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि 2 लाख से अधिक मजदूर जो छंटनी हुए हैं या जो प्रभावित हुए हैं उनके पुनर्वास पर अभी तक सरकार ने कितना व्यय किया है और उनके कल्याण के लिए अन्य योजनाएं किस रूप में लागू की जा रही हैं? दूसरा यह कि एन०टी०सी० के जो 119 मिल हैं उनमें से कितने रुग्ण हैं और उनके पुनर्वास के लिए क्या व्यवस्था कर रहे हैं?

MR. CHAIRMAN: Anyway, the Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTION

दिल्ली में महिलाओं के प्रति अपराध

*505. **श्रीमती वीणा वर्मा:**
श्री राजूभाई ए० परमार:
क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि महिलाओं के प्रति अपराध, विशेषकर अपहरण तथा बलात्कार जिनमें नाबालिगों के अपहरण तथा बलात्कार के मामले भी शामिल हैं, और हत्याओं के मामलों में चिन्ताजनक वृद्धि हुई है और दिल्ली में यह वृद्धि देश के किसी अन्य महानगर की तुलना में बहुत अधिक है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में 1998 के प्रथम छः महीनों तथा पूर्ववर्ती तीन वर्षों, यानि 1997, 1996 एवं 1995 के तुलनात्मक आंकड़े क्या हैं; और

(ग) राजधानी में अपराध की इस चिन्ताजनक स्थिति के क्या कारण हैं और इस प्रवृत्ति पर कारगर ढंग से रोक लगाने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

गृह मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवानी): (क) और (ख) उपलब्ध सूचना के अनुसार, चार महानगरों में 1995 से महिलाओं के प्रति अपराधों के सूचित मामलों के तुलनात्मक आंकड़े निम्न प्रकार से हैं:

अपराध शीर्ष/वर्ष	दिल्ली	मुम्बई	कलकत्ता	चेन्नई
बलात्कार				
1995	377	210	54	16
1996	491	153	29	12
1997	544	130	28	16
1998 (30 जून तक)	194	44	9	9
अपहरण और व्यपहरण				
1995	877	143	82	3
1996	920	104	86	8
1997	930	108	97	7
1998 (30 जून तक)	484	63	18	3
दहेज मृत्यु				
1995	167	83	10	5
1996	138	59	8	7
1997	148	44	6	12
1998 (30 जून तक)	55	21	4	7
पति और उसके रिस्तेदारों द्वारा क्रूरता				
1995	1042	223	111	46
1996	859	110	149	93
1997	855	108	134	35
1998(30 जून तक)	328	67	24	24
उत्पीड़न				
1995	521	400	140	14
1996	691	264	137	11
1997	675	218	119	22
1998 (30 जून तक)	292	85	41	10
छेड़खानी				
1995	2796	67	13	639
1996	2059	56	9	532
1997	1686	38	53	616
1998 (30 जून तक)	462	15	4	1037

तथापि, 1997 के पहले छः महीनों और 1998 के पहले छः महीनों के दौरान दिल्ली में महिलाओं के प्रति हुए अपराधों के सूचित मामले निम्न प्रकार हैं:—

अपराध शीर्ष	1997 (30 जून तक)	1998 (30 जून तक)
बलात्कार	262	194
बलात्कार (अवयस्क)	178	130
अपहरण और व्यपहरण	519	484
अपहरण (अवयस्क)	390	338
दहेज के कारण मौतें	70	55
पति और उसके संबंधियों द्वारा क्रूरता	440	328
उत्पीड़न	331	292
छेड़खानी	859	462

(ग) विशेष रूप से दिल्ली में महिलाओं के प्रति अपराधों में वृद्धि के लिए संयुक्त परिवार और ग्रामीण समाज जैसी पारम्परिक सामाजिक प्रणाली और प्रथाओं का समाप्त हो जाना, रूढ़िवादी सामाजिक प्रथाओं का स्थान "पश्चिमी" मान्यताओं द्वारा लिया जाना तथा फिल्मों, टी वी और विडियो आदि के माध्यम से हिंसा और सैक्स के अधिक प्रचार-प्रसार को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

दिल्ली पुलिस द्वारा महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम के लिए उठाए गए कदमों में शामिल हैं—संकट में पड़ी महिलाओं की कालों पर कार्रवाई करने के लिए पुलिस नियंत्रण कक्ष में एक "हैल्पलाईन" टेलीफोन सेवा स्थापित करना महिला कालेजों और स्कूलों, बाजार के महत्वपूर्ण स्थानों, बस-स्टापों, इत्यादि के बाहर, पुलिस कार्मियों को ड्यूटी पर तैनात करना। ताकि महिलाओं के साथ छेड़छाड़ को रोका जा सके, बसों में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ के खिलाफ विशेष अभियान चलाना, महिलाओं को निहत्थे मुकाबला करने का प्रशिक्षण देना, कालेजों में एक कानूनी जागृति अभियान चला कर महिला समुदाय को शिक्षित करना तथा जन जागृति बढ़ाने के लिए गैर-सरकारी संगठनों और कानूनी मंचों के साथ निकट सम्पर्क बनाए रखना।

बलात्कार, दहेज, और दहेज के कारण मौत, पति तथा ससुराल पक्ष द्वारा महिलाओं के प्रति क्रूरता जैसे कुछ अपराधों के लिए कड़े दण्ड देने के लिए सरकार द्वारा कानूनी उपाय भी किए गए हैं।

Rise in Delhi's Crime Graph

*506. **SHRI O.P. KOHLI:** Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of serious crimes like murders, dacoities, rapes, kidnappings, separately, occurred in Delhi during the last three months;

(b) whether the crime graph has been constantly rising in the capital city; and

(c) the steps taken/proposed to be taken to gear up the law enforcing agencies to check this spate of crimes?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI L.K. ADVANI): (a) and (b) The number of cases of heinous crimes reported in the National Capital territory of Delhi during the period from April to June, 1998 was 727 as against 645 reported during the corresponding period of last year. The category-wise break-up of these cases is as follows:—

Crime Head	No. of cases reported (April to June)	
	1997	1998
Murder	154	174
Dacoity	7	10
Rape	148	119
Kidnapping for ransom	2	5
Attempt to murder	120	152
Robbery	154	221
Riot	60	46
TOTAL	645	727

(c) The position regarding the law and order situation in the National Capital Territory of Delhi is reviewed by the Government from time to time. The steps taken by the Delhi Police to prevent crime include, inter-alia, intensification of beat patrolling; posting of armed pickets at strategic points; strengthening of intelligence network; close watch on and frequent raids at the suspected hide-outs of criminals; increased surveillance on history sheeters; coordination meetings with the officers of neighbouring states; and deployment of women police near schools, colleges, markets and other conspicuous places.

Nuclear command and control system

*507 **SHRIMATI CHANDRA KALA PANDEY:** Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item "India to have strategic N-Force" appearing in the Stateman dated 4th July, 1998, quoting the statesment of the Defence Minister on evolving a nuclear Command and Control System;